QUESTION BANK

पाठ-16 पतझर में टूटी पत्तियां –रवीन्द्र केलेकर

1. जापान में चाय पीने की विधि को क्या कहते हैं?
2. प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट किसे कहते हैं?
3. ‘टी सेरेमनी’ में कितने आदमियों को प्रवेश दिया जाता था और क्यों?
4. शुद्ध सोना और गिन्नी का सोना अलग क्यों होता है?
5. “जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है तब ‘प्रैक्टिकल आइडियलिस्टों’ के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं और उनकी व्यावहारिक सूझ-बूझ ही आगे आने लगती है।“-आशय स्पष्ट कीजिए |
6. शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है?
7. चाय पीने के बाद लेखक ने स्वयं में क्या परिवर्तन महसूस किया?
8. गिरगिट’ कहानी में आपने समाज में व्याप्त अवसरानुसार अपने व्यवहार को पल-पल में बदल डालने की एक बानगी देखी। इस पाठ के अंश ‘गिन्नी का सोना’ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि ‘आदर्शवादिता’ और ‘व्यावहारिकता’ इनमें से जीवन में किसका महत्व है?
9. अपने जीवन की किसी ऐसी घटना का उल्लेख कीजिए जब शुद्ध आदर्श से आपको हानि या लाभ हुआ हो।
10. लेखक के अनुसार सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए। लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा? स्पष्ट कीजिए।